Folios - 105

Size : 24 x 17 cm

ॐ [illegible] नमः श्रीगणेशाय नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] । ० ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] १ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ७
[illegible]
[illegible] २ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] १ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ७ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

ऽकेवलं भवतीति चेत् ॥ वस्त्रीति प्राप्नोति सर्वं सर्व
नाम भवेद्वक्तुं यद्युक्तं ... ॥ श्रीमद्भगवान्
... [illegible]
... ॥ किं भवति ... [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible] ॥ [illegible]
... इति ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... किं ... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... किं ... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible]
... ॥ ॥ [illegible]
... . [illegible]
... . [illegible]
... [illegible] ॥
... किं ... [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible] ।

श्री
... [illegible]

किं ... [illegible]
... किं ... [illegible]
... [illegible]
... किं ... [illegible]
... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible]
... ॥
श्रीभगवानुवाच ... [illegible] ॥
... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible]
... [illegible]
... [illegible]
... ॥ [illegible]
... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ ॥
... [illegible]
... ॥ [illegible]
... ॥ [illegible]

हि विशुक्लि लेभूतेन्कारलकुथ रुकहितीय भरा भेवयालि
भाव्मीकृरीति रूनयाति विकरोति भुभयति अंकु तिमिदकृः। भवि
थकुवीद भम मकि भुभ्गकृकृ ऐसु रि दय दि मृते। भ्रदेति उत्कुदि
मकिदयरव भदृ रुकि वाभभानेयक कि भेभप्रदकरवर
तुतकिरभिमिमुदिमकि भवाकुभ रवभ्र ददयः यदु कंरीभ
ऋटे। हृवयकिः भुहे रव यभ्भिहे रिदृ विपूद, भूदेमदकृये
भाद्वियामकि रिह थि हिवेदे तिमंडभद नाहिकृतुधारिनके
रूपनेनिटदयिमीलनें नरूपकुते भभिपकुमकृ भिति निलीहकाभ
दयामिभुकमकितयाकिवृकृये, मम कंकवरेधि। तिभुम्वैय
मायतंनेविदृभेवाकुभाभति। कुभुकभुदरूकृ भवीत रूपवोति, य
दरुवं भव भभवकाभेके पकृनेदकृ भंनेकलेककभरूद्धयाग
रूपूयय थुकमवा दियकृरेतिरूदृकृभेव भवमकोभ्रिकुभः कि
भभादृभभीतियाक। भुपलकव भाहिंभिकुतिं भंदृहिंमहिर
विलवाभुलभ। ॥ तिरिहृदृकविहु रूपू भनवियमृ भेटभ
करूवलि रूमः कुभेनभ्भुपिकरोमि, भावव्मान्भीतव
मिदभद मिवेमुरभ्रुति भुप्तवदुविषये, भभुनिकृभेमक
नाभ्रिलयावपुक्षायाति भाद्युनहृदृभभेवेककरोमि वनुभकृति
रिकृभुकमित। रवभीद मंभदुभु भकाकृं भविद्धुपेकृकृदृ
विधुनेनरूयावडः भ। भु भिनदृभारूभु हृदुनाम्व किंम ॥
भ्रुतीव प्रेलिनं भवंभभतिनेपवं। भितभ। भस्कुस्कुनरहि यतुभंव
दृभयुभदुभभ ॥ इति भेदाधिरद्र मक्लमनावीरेच भुतिकंय
चायीयंमिदृकुभद्धेभवं। कृतिकंतुभकभदृधरिकाभिमरुल
उकृभिमकिदेपनाभभुक्तूद्भत्रवकि भयिवूभानवयदेगाउहिव
पद्मानेदभविवमभभवदभमपदकृभ भडभविद भवभड्दृ

दृभंयम्भदुनस्कृपभमभतभभुकृते युभ्रुयेयकिम ॥ इस्तीदंप
रंभेवामवहृद्यभातकृपिलाभ। यक्रुगुधरभावदं यरिउन्नुभंप
रुभ। उरेइविशुकूलस्तुनेविमुकृकुचेदभुदुभम। ॥ दभुयकृभ्रुगदृम
कुभवीदं प्रद दिपूकमनकृदुग भंकाभ मिद्धू भेकृनाविनभिदू
भरामउकृद्धयधतुत्र। उदितिवृकृ याभानचरमृ भंययेतमितिभद
भुमृकमयभाव इकृतामेधविमुधुरिधु भुतबृयांभगुभुं भतंकाम
कमेभिति इकृवेचेकृभाभवकृ भिगभद्र भिवयदृचेदया
भ। भुनकृतुरुदनाभकृतीकृत भिदिरकृवेनभकाकृकृः भूद्हि
हुनभद्भतद्धविधयंमदयाति विधुल भकल कलहेनिभ्रुंनि
भूतवक्लकलायः नाद्धि दिपुदृभाभदु याभ्रयकृतं यिकृतद
भ्रुते चउभूम्र यकुमकिराभुभगलकउभंनिहनभेयानेलभ
किउभंकयरूपवभेउत। ॥ भाद्दलितुनमाभूतंभविवंभक
रूपयकम। उद्धिदिहुलूभंदेवं भवद्भः पविभेकरूम। ॥ मारूवकृ
देवोत निभ्रुलमिद्भदनकृभेलभद्दलितिदयकुभ। । कविभट्
रूपमभकम भुदृनलंभदत। भवियंभेकरूपमकभिदेनेनतिद्दकद
मीवमियक विकरउभकि भुः वकृतिमा। विभुनमिभूनमिन
भवविभवदिभकमाभितः। येनवेभतिभादेलभमृतेरतिभ
वेया भिदेनेनमवदभाल भगदुमद्धुभुभवभुकः भूभिहुतउ
रुदेवेभा भिनं विभुनमि भगाउदुनविनंगुद्धेयभकरभिति
दभ्रुदिदं भ्रद्धि दिभिभिरीकाविभिदुविकनेयकेयः भगंदेविम
तिहितुनाभिभइदृभुकृभभवेमकृउकिंयदृहुति ॥ तिभेधि
वेयभादेलमदिमेवेभलहुते उउःभूतुतिमकिभेनभवलाक्र
माधुयात। उदाभ्वभाभकृतकृविभुनंकेलमियुभाकृतंवि
नतावियः मामद्भनाकृवस्तुः पविभेकमेम ॥ ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

वीरनायकम् ॥ वीरनायकं कलेष्नुं ठवभूभाठकमयधु
ठेमन्डैमिहूयठ भिउ उयूफिमिइनउिमिद्वकः यमन्दुः
येरयेरविकुमेलभायकाअंभ्भरेङ्गुम इधूउप्र यरंयाउिमिर्
भामिरिविमुरः ॥ नपालवत ॥ मवेंरन्ह्वयलेन्दुवेभन
भैंङ्गभ्रैंभैःमुठः इच्छम्भवमिङ्गुत् ॥ भावमैंभुउद्विदुमिं:
मवभावकविययभङ्कुभमाहेराक ॥ भक्षुन्हुहै भूपुल
येउ ॥ भावभाचानङुंभवुयङ्गु मिउावमाइविभूपुकालिउ
ङसभामिलिः भूनभुंप्रलानेठवशीउिनद्वयेभानभंकांदम ॥
किंम ॥ भावमैंःङ्गभमेदगा भाङ्किकीभागमुाभउा वविम
ल्टभगावकुभेकमामिडुिमावठ ॥ मुदभवभूभागीविके
वमिमद्धुदेवकुमुदलामदुहुर्वविमेधाउ ॥ इमाद्वभवभूयङ्ग
वभनभयललंङ्गुवम मुमावेवभ्रकङ्गुहं ॥ डेमुरुपहिंभूल
मिद्ध ङेल डुउडुःमिवसउडुपमेभवैरव ॥ भक्षुन्दुहैभुवि
भ्रैः ॥ भुगठ दैढ़ेवडावालेंभङ्गमैगिउिप्रच्छवि भधुयमुङङ्
ठागेवपद्धयरुभमिठवे ॥ यलंवप्रक्ययुमिउिभङ्गुउिः
भुठगेपुउिभवरभक्षुहुरे उडुमि ॥ मुलिमिपकाउलंमिं
मिङेगेपिभमेहिडभ यङुङुंनमङुङ्कुलंभुमभंङुभनिरभम ॥ मेठि
भमिठाभम्दंङ्गइष्ट्रमभिभडलभ भम्युल्हयन्दुभम्ललंमगम्मि
भालावल्लीपुङभ ॥ इमहेभुमल्लंपद्धभभिरंमन्दुभङ्गिठम
विम्मिर्केभैपेइंदैभकलिकभुङभम ॥ मडल्लभूविलनंमीय
गेंडुंठविक्षुि ॥ उिउिदुङ्गिडनिङभ ॥ मचद्ध इमहेमेवम्मेवमं
भुङुयामवडगयेउ ॥ भुङ्गुवामिद्वङुठगाठवःमिमुभ्रंमुवड
नयेमइडकय वाङधूङ्गुठभम्हुउपवडाङंविभमेउ ॥ भमिङुभेलम
वमिङुभेउ भुनेउकेलदवपड्डुर्भुंभूडगि ॥ मुवल्लीडवकलभेरय ॥

श्रु
मी
वरे
पी
०८

मुयान्दमेङुडेव द्विंदधमिकलिडभ ॥ मुभभदुन्दु
ठयेङुडिभुङ्गुयान्यामिङुभेङ्गे भिङुयेउ ङ्ढिगेठेउि मिकाद
इयाङ्गुदगाप्रडेभेवडिभ्रुवमङुभेलङ्गिठिवद्मेङुंभूवभूवुभ
कङमभकुडे: भाष्प्रङ्गभुलिविभ्रुलामिभागेद्वैंदेःभमिक
लिडभ ॥ मवङुंकङुभभमि भुमङु मङ्गभम्भ्रंभुमड्डमङ्गु
यम्मनः ॥ भुङीमाभिभङुडुनिंमियवुवकामवेमिभिद्रुङि
डुङ्गडीटइडुवविकङुभिदङः ॥ मुवामिङुभविवामाये
मिङुभङुभुभमिड्डंलिङुभङुंगाठा ॥ उडुभमिडङुंउविरिठा
यविभुलम्भङ्गुभमम्पु उङ्किभि ॥ मगीमगकेवामहु ॥
मुयेयामिंविठम्ावन मन्लेभुङ्गनिविवुभउ ॥ मगीमगकेव
मवृभिक् ठमयाम्पीविमङ्ग गिमडभ ॥ भुप्रवामिमिद्धभुंक
लिकमंपेइं मुवं ॥ भुड्डुङुभमगेलभधाभुगविलेभ
नैः नैवइविविठिप्रैदु वुमेडु ङुभ्रम्रमिभ ॥ इमुद्वःभा
नैम्मुविविठे: ॥ भुङुभिडंदढङः ॥ मडुडुभुम भावक
भू ॥ ठवठम्भभुलायेउ ॥ उउ ॥ भवमुङेभमगेल
मायुकुंभुलायेमुप भभुकंवकिंदिमुभुभवुंभंदुउंदल ॥
मिमुभिङङलिपिङङुङ्गभिङ्गुपैः ॥ मुवभाडुङुङभ ॥
भक्षुन्दुभेभूङवीउपवाक भावभाववः ॥ भभकुभिलाङ्क
भ ॥ वृङ्कुभुठाविद्वुंः ङेइद ॥ द्विभापलेवकुलेमय
डुमुभमेठेमभ्भुभाइडङाडुडे ॥ मउङाङुडेडिइभुलमि
मेङ्गिमङुदभुमि ॥ ङुडेठविठविभ्रुडि मभूमङुङभू ॥
भंमेनेङुभेयला ॥ भवभाङ्गिमङुङुनाभुभंमेनामुलाङ
यलेङङः ॥ मुठभुनीमुयमंमामाहुउलाठवेउ ॥ मानु
भठःमुङभ ॥ मङुमापलामाउडुलेभुमडुभभावयमि
व८

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ किंम ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

०१
सी
त्रै
टी
२३

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

यमभत्रिदभ। उधुन्नेभूपिनियंष्टयेतुकुलप्यवका निलीभला
वष्टकृत्रिअदामंमिविदेवभ्रूभदावी ॥ वाढ्वयेत्रिप्रवितु
मङ्गहूपिद्वि नेक्ल वष्टकत्रि भवित्रवेमावववयव भेद्भ देव
भूवल्ला पक्तमतुभिक भिनुर्देवी विविदिकु कुनिम्रलायेत
भङ्गनं विहुभूयाड देवीनाढ ॥ लायरक्वीभु
वकीतिमयावेभिकङयेलेड ॥ दभू ॥ पासाइतमठ
गढ्वेवासठयपालिकः देवभूभं भावीष्टाय कूी
वस्ताकुभकालिली देवभ्रुतुमद माङ्गविडकुलभृकालिम ॥
देवभूमयभ्रूभङ्गवभतुरङ्कुलवीप्रहः सडमुप्रलाया
दिवंदिडपृष्ठिकुभयावाभनिका भिष्ठपुढ ॥
ममवभूकुलंकृतीतवतंभूमीतमा भेयेयतिभिमुदेवि
किमुभूमेकसिडिगा ॥ मभूप्रविकाकाभक्षपतपदृति
वेकिकाभुयेनिविमभाढ ॥ मधुक्तवमुहसेकेनयेयानेभि
तुभालिनवभ ॥ भेयमृभभ्रुदिभिमुडिभिहङाडा कभायेया
नेकुडभालिकम ॥ वालकुभयलेवृहुकीतवुयेयिडेग
लेः ॥ भमूम ॥ मडुभिकम्भिङ्कलेवू कियामुवभनिमाः
कभूीमयक्षेभेवकभूगीकुभीतवा ॥ मवाभू ॥ डभ्रूय
णीकयेकुप्तुभिमुदिलप्रवा ॥ यमृ ॥ वढ्ना
वृकिभक्वेन विमुभडुभभेरे मक्वैकवहभङ्गुवेकभृ
कुलभवा ॥ यमृ ॥ मयवभूविय दभूभायलकीय
वेंडभा केवलेनाभिंढवावाढंवभनंभाराम कभियेय
ववभ्रलहस्तावीरेवायनिभूलः ॥ भूमुकतुपङ्गभामुभय
निकुलभूमानुभङ्गयः ॥ मेवयेनभुकारलेठवंठभनेभ
भरेडाभ्रुडम यडंयाविङवहुभुयामिमुी ॥ भङ्गलुभं

०१ श्री
रे दे
पी०
२२

कुरः पुषयंभीभवमभिवडेका मिन्दभूंधुव भिवेवंकवकु
येवभिनुकृवेव भ। रक्भद्धनिकावीलेगावायमयभभू
हभ। भिकुपावभिवक्लंभयहा भयपुरुभ कभ्मुवाग
भदापंयगडिभीकपमभुरूभ कल्लाद्रवहिभमभंकढवे
कुदिलिमवभ मङुकुलंभ कपूरनवायेकयभालिकम ॥
भृदुंकायेड भय ॥ वड्भकेनवमृनरमिक्केनप्पयेड ॥
डेम ॥ भभुभूरभभकुकंनमायङुभवीजिनभ रकभापुभु
गयनेक भूगरालेमिडभ भमवभुकरंमेविलेकभालम्य
यादिभ विवकुंभयवभनंनिरेंविनेडवभ भहीमरिभ
भकुकंठभङ्ग भकुभभयलेड ॥ लेकभालामयानिवइ
मकिमयभुरूथभमललागयाहृविकुलानिकगवरंःमुवणा
कुढ ॥ ढभ्रित्रुभिपायवश्यसेमनभूभुपलायेड ॥
भृमुड भवाङ्गनिनुयेभिनियवड भइये ॥ भद्वैपक्केप
मात्रिवेरुलानधिक्विनीयके ॥ मञ्जूमियकुकेडाल्ल
मेनियुलः क्विनीयके • • वाल्ने ॥ नकरृलि क्विनीयेड
यथा • • दिकिभिनुतिः मलानूदिनयंभरलेलकभालं
नुयेयलेड ॥ भानुभेभभद्भंभुनेनभूकृत्रुभूप्रलायेड ॥
दिकिभिनुतिविकङ्गवि ॥ नकरृलिप्रवायिमलाभुके
मवेविमडेकृयंयमुवपल्लानूकृतिनकश्वालं मथीयेलिके
भालावरलीमडुकुभभूवालंभ कृमंभुकवरलेकृक ॥
भक्तिकेवलेकाभिन्निकलंरम्दिभंयडम विमुकदभुकु
यंवाविमुककतं लगाद्धभ। मङुकुलंभकपूरवंङ्कभयु
भुकवालाम। भडुमेकभकभेवभूवेयदिकिलेनदु हवे
भिद्वैभुकावेभुभयभनंविभिमुयेड ॥ भङ्गमभिभिडाविन्नुभ

दीपिकः अ[illegible]ति[illegible]भवह[illegible]करः शिवः ॥
[illegible]रीतः शिवनत[illegible] · · [illegible]शिवः [illegible]
[illegible]यथायाह[illegible]शिकम[illegible]यत्लं भमा
[illegible]शिवभवभूह[illegible]शिवतु[illegible] · · · ·
[illegible] ॥ [illegible] · · · · [illegible]
[illegible]भवव ॥ [illegible]
[illegible] · · [illegible]
[illegible]भवनः [illegible] · · · · · · · [illegible]
[illegible]मवतुउर · · · · · [illegible] ॥
वभिर्हि · · · · · · · · · कालकभः ॥ [illegible]
[illegible]तिभानतः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ · · · [illegible]शिवउया
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]कालभ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible] · · · [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] · · · · [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
· · · · · · · · · [illegible]

५५
श्री
[illegible]
[illegible]
५२

· · [illegible] · · · · · [illegible] ·
· · [illegible] ॥ · · · [illegible]
[illegible]कः ॥ [illegible] · ·
[illegible] · · · [illegible]
[illegible] · · · · [illegible]
[illegible] · · · [illegible]
[illegible]
[illegible] । शिवभाभर[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] · · · [illegible]
[illegible]
· · · · · · · [illegible]
· · · · [illegible] · · ·
· · [illegible] · · · · · · · · · · · · [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]शिव[illegible]शिव[illegible]
[illegible] ॥ शिव[illegible]
[illegible]शिव[illegible]
[illegible]

ति भट्टभूतु ··· मेः भाष्ट्रकाभनिवेमः भवतेत्यतद्ध्वात्य
ह ··· मन्त्रवेदु भूदें ऊंमन्त्रवेद्दुवेत्तेऽडः ··· पमन्नुनुभ
तुभूवाभ्रव्व अत्रिवेमपक्ति ··· वम्तुनाभ पदृऊँ भट्टमवक्षि
ठयंमद्दे ··· मेलिटु भमदं मृत्कुविम्ठ लभिनि ··· भेम्रु
तिमट्टकुमेविमठ्नषवं मदृऊं ··· भाम्नवक्षिठयंतुपमूनु
दुठ्ठिठ लिम्पित विम्ठनषिटलिनिविमुक्तः उतिभाष्ठकः
किम ॥ मिठुभाष्ठपभिठुमडमेवनिवेभवम्र हृहवभव
भमेमेलभट्टवान्दंभभाष्यात ॥ भू लवाक्षि भट्टकाय
कलि काभकार क्षि भाइ विठूहवभूनाष्ठ मडमुमेवभावक
नाभ कनलिकि पूं नाभाकालिदु भट्टकाभू धूतुं मिठु
भाष्ठ भमिठु विठे वेतभाय्टुमा ···
सुतेद्विनीयप्रतीय ··· मिठु
क्षि ···

···

मेनाठिभिक्रेभे प्रलापित्र भकम्रुपाप्पुठमिविठनुभाष्ठक
विठुमिवेपभाव ॥ प्रलापित्रमाडंठिविमिक्तउतिभट्टु
काभ्रूउतिकमः उउमट्टमडिमुरुमणविमेषाषउम्रवभ ॥
उउः ॥ म्पंठरुहुतमेठवीमगांत्रवधु मिठवभ ॥
ठाटुवठमिमेमयः ॥ यागायभवषाडविभवमूपभूक्ताः
भाः ॥ उह ॥ प्रवतेऊभूलपेउभवनकललक्षिउः भवम
हेठ्ठितेवा भूभठपमृभञ ··· भभूमतवेभूपमेउपभूउपु
मलिलपनि लिपित्रमडलेवऊउपउरम्रू भभत्र ··· भूमूतः
उतिप्रवनमूतूउभ ॥ मव ··· भविमक्तुटलिपाउये
सेम्रुवकले ··· प्रवाभाष्यउजीतः ···

०३ श्री चंद्र ली ६३

केवीरभुटलि ···
··· सुविंमाष्ठिकेठवेउ मधूप
मेपिउलिउमुवभवभन्नुठवति मृ ··· मदृपेभलिविह
मपभनुपहंभमेठनभ ॥ ठाभानुकेउ ॥ भवतेठागाप ···
कभ ॥ हूत्रोत्रुः कबभिउठ ॥ भहृत्रवाविकलकुतः ॥
उक्षिडिठवानु ··· मृगहम ॥ भूमभेक लिककहृकेभगलि
द्विनीयके भनुपमन्नुप्रजीयेउम ··· गुप्तलिपउउक्के ॥ भूषभ
उहम्द्विठपोभ ··· यमल्ला निउन मठगान ॥ नभपमृतेप
तुन भूभभं भुभभाभडः ॥ मम ··· हदेत्रभानं भुम्भनिभ
भंमहंउभावमृदंठ ··· ॥ क्षिकुभ्रहभुकेमहृत किमि
क ··· भाउपेउ मेकृलीठिमंगणकीवउभपृ भ्रहपृभालउः कि
फलकुकंनवेठहं ॥ भ्रहभुक ··· लेभ्रहभुकभभठलुभा
१ भुभ्रहउत्तलेभाने ··· ठिमंगणकीवठवनीहभेभत्रमलि
पद ···
कीमृक किठृम्नकुऊं ॥ केभाम् ··· उभ केभा
हयपत्रभिउत्रः मवंठभुठि ··· मत्माभहउता लि
मभिभूभाष्ठ ॥ उम्रहेकलिकं लिमित ॥ भानुभूपमृत
भलेमृत्तिभाठ ॥ मलभाठिभ्रिउंभ्रहभ्रभूपानुत्रहृभभिमे
ग ॥ भाभकभुंभ्रहंभद्दपानुभ्रहउगलगेनठ उदेवप
टिं लभकिुक्तिंउअनुनेनक पानुपति पानुपमक्पभवनह
भवेउ ऊभु भुहेपुभिउ ॥ मुहभठपभानुहाभ प्रव
भहंभुभावपे ॥ मुहेभिहवमूत्रभ महभठिपिमति ॥
उउनुवभेव ··· भम्रूमलेठवेउ ॥ मभूव ॥
भीउउकलिककहपभृत्नाभगिउः महउः केभालिवि

[illegible]

[illegible]

तीलेषु॥ भव भक्तवलितैः श्रुमाभूतवि ष्ठिति मुः लहं कुञमि
न्धीतश्वकुपं भकुच्छति डेकुं तिमिक्रानिवेय भूते लुपिय
वनातिमभुश्निउकलुः तिपके कीललिहः लाच्छाहिभनाहि
मिथः भूपमलाचमिन्मृ कः केभवित्रकेभिहृह यभानयेयह
कुमा तिह्नलेलकृयतेउदकंभाभभयनाभुतेभव भतेः हे
के भवक्र भवयात्रवक्रः भपभूरत कः भववेमभजू भेजम्भिमुडे ॥
मर कुतुभं भिमुभेकं वम्भास्तुं हव ॥ भजुवत्येनकतुहृत्य
दभावेद्मुः कहरूभकं भहृत्रं भपतीनंतु देभ्रिनाभ यन्नगृ
भभमूलकडुहृदिरम्भिक्रम ॥ रूवं नित्यूउभत्तगफकं नतुरु
ठभ्रस्कृतं पत्तगद भक्यभू नेहमादेजदकभृविथयस्व ॥
कतुहृस्वइ पिम ॥ कम्लमित्रधूरत्रर ॥ विथयदि - - -
डीरद ॥ यपिकृतदन्त्तिनूति यडः ॥ नकभत्तवल्लेपडः
मिवधेगेयठविडः विहसुकृष्वीउठयान्तेरवाकुतभालिनः ॥
येगिनीकृतकृतविहउकुचाच्याप्युथभ्चिभीनाः वलेभेउद्धयति
भाद ॥ शुकुतभुभया भवंभहूभवभूयेगडः नम्बुकं उलि
पंभवित्रिते वलिनःभ्रुउः ॥ शुकुताउतिभ्रविकभा
मानक्लिहृत्ययविमुक्तः भर्तभाकलभानयति ॥ ॥
श्रवाकवाश्रिमिवेनमिवेनभाभाश्रुवा भाशुदूज्जनविक्लिना
विमनत्रिमिमिदम भ्रुत्तनभभाविभु लायिनेलवकुतः भ
भकृ भुभक भेरः भवमेवलिपं भय ॥ भवेनदेउउ
माभूमिमिद्भृ मेहेत्रलवाभ्रुत उभेमहेत्र लतमतुरंभावके
उउ हेलयंयेवलिपं भभाभभविषयमहरुः ह ॥
मउउमविलभजं रे कृभुवात्रुः भतुः ॥ मात्रुः भुयभूय भवं
यडः उउःभ्रह्मुः भइस्त्राभेभाः मकुयः भभुकेहूभुवतिव

मिनःभूतिभकक ः भकाभ्रिहृत्रवलिनःभुउत्रः भूतिभक
त्रिकुरुमी - - - - - - - - स्त्र ॥ यमहूलनाउभ्यालिपं
भतेवलिकुः डेधंजिमभनाकृ मलभाजरकः रमम भगृप
भविषयभेगः भकमिमभजभूमः - - - - कृः भभमेनरकुवं
भवकुवाभ भत्तवाउभभवभक्तउविथयेनभ्रूः कमाधिमेव ॥
नभाकुकन्नदयानूषा म्बेविपाभभानव हृ विथयभूमूहाभाः ॥
उभूठवाभुवलिनाभहृत्राभ्याभकृयः लूत्रीदापुगिताभवेम
थावेन्दाभुकेवला ः ॥ उभुवेनभाभमिकभगा भ्रुतेयउत्र
भविज्ञमाभाभभिवकुभः भवभवृवीदकुतलेजदभ्रराला ॥
भकुलिकनेमाभ्रुतउः भवभविहृत्राः भूकः नमाभ्रकत्रिमहेवावि
हावाद्धुतलकुपेउ ॥ भवेदभुत्राभूतगावडः ॥ भ्रगा
मूयलायतुभिकभूवभागात्म्यः ॥ उकुविमतिमिथःगिमिव
भा ॥ भवृभतृ यिउगिभवृतभूत्रभचभवृत्रल श्रुत्तवम
गाभुउपनुरं लायतिमा कृनेरभ ॥ उतिमूनेरमुडेवि
मिथिकावः १० ॥ ॐ लायतिभुभपिभिदभानवउदेलनली
लया भवृतृ जिउकुभकृतयतेरभेमुराभ ॥ भवभवृत्रगुति
- - - - - - - - त्रुवउभकिभुभ उद्दिलायायभवृभज - - लिहु
भयिभुः ॥ भूलिमकृवाम ॥ भवृः किभाकृकेमवकिंभ्रुउपा
त्रुकीयभः किंहूठवाकसंभकृः केनकभं भभाश्चिकाः ॥
- - - - - - - - - - श्रुकृ येथां मभुमकृिगवावा किंमिकुत्रुपंति
गाहृतिभनुतिबायेथे किंभिवभा मूतृकीमभाः निगकाः
कतुगेनकेभिकेमिमहं मूतृभाकलाभभितृउभनमवनभवक
तुगेमधतृत कः भूठवि कृजिभत्रिमिथ भूमभकः निहकृयेथं कथे
केनभूकारनाभकृः यडेनिगकावभ्रुतृभवहुमकृउउकृत्रुउला

१०
श्री
नेरे
टी
३

कथ्मूत्रा कथं न्चत्रभिङ्क्षिवा विषिक्षित्र भूताभासि न भू भूत्मरुक्र मतिः स
मगीरभूत्मन्तत्र रुजमिकङ्कूर कायि भाभिभूता भूयिष्ट भ्रमपथव भाक्
वनास्ति॥ भाभिभूताभू पिकमेमजार्के भूमिद्धक इं सिद्ध मयेव केन कथं
भूसिद्धिरुउ रुआ केनरु कालं कर्मरुजः उद्भवलेन भ्रूदयति ॥
मिथ्यार्म का भु येद्धि व ह्नायक भूउद्ध्रूमिलः क्रियाकालं कौनरुद्
मुउथं पिकरुउ सभ्रुव रुके उथं कर्मं मेथ भरूठ वियुक्त विन
कद्दंकः कीर्तिभूतेवम ॥ उदिमिथ्यादुकाभउ भू मउथं भिव
वद्धू पिर्वभीभ्रदम श्रेनंत्रि यं या कालमूढी व्यक्तकं कद्धु मि
वक्षद्भुतुवदभिनइंदृकः उउवियुक्त विना नकशित्तुदं क्रवस्य
भूतवंमिथभूयिपमहरू भूयिम कर्मं रुत्र मभिदू नैवकिं भूम
म्दवे भूर्यमभूद्र तु वियदभउं मउदिपुलवद्धा वक्रउद्भ भिर्तिंव
भिभाभ ······ लखूठेपा भेद्विभद्धव करके न विभितुं भाम्र भरथक
ल्द - - - - - - - - - - - - -
नम भूदिहमगोभूवृभा
- - - क संचरतुभूकउउ ॥ मगीरद्व मगीरद्व मेवमिथम भउविवजं
भत्तिन उतिभलिनद्वम भूरुद्वलतु मार्गि विठक्रुउउर्के पवृत्ति
दूं रुभ्रुवेलीविभ्रिय उतिस्वउस्त्र ॥ मक्ति पीनभूकदृव विकद्भुम
ववभुव ॥ कार्यिद्र मेउक्रउकायमेरिवा भुकिं केनउ चिद्भुभ किमा
दुकः किं भुउठवाकी दमाः कथं मक्तः केनवा भूयि छिद्दः उति
मारुवतुधत्रभ नर्कं भृ पीदउभ ॥ किं भुउठवाउति भूत्रं भृदय
ति ॥ म्दवामिवद्धकाभरुः कथं भिद्धूत्तिपभुउः ॥ म्दकामक्र
मावभुउविभ्रकविराकाय मिवधरुठवाः विदूविभ्रक्रमउद्भुवि
भारुद्रुपाः कथं भिक्षूति कथं भिहीविउरत्वीशुः म्दवेमाद्भुभक्र
भरु विकल्पमाक्र उवभभिविकल्पयति ॥ भ्रमयेमूकक्ति
भावु ॥ उदिपम्ब्रुक्तिकुभाभुभ ॥ कथं मक्तिमुकीर्द्यी ॥

किं भगुत्तिती किं भुरुठवयाउ भेव उभ्रुठवं विकल्पमति ॥ मक्तिर्नकं
कालं भिरवकद्दउभ्रू स्त्र कीर्मयमय ॥ किं भुक्तयभ्जक भित्तुभय
क्रिमीरुभ्रुम्ही क्रियाकदेवयाकायमभिरभूः कीर्यं मेनयभुउय
भ्जकायद्म भुउरुव भुउयावक्रमहरुउ मकायम्म मक्तिः नाभभाव
कालेनतुवभीतिरिमू ॥ यावत्रमक्ति भाकुशित्तुपद ॥ कथं
मक्ति विणीपउ ॥ भूतिभायूतिउयउः भः ॥ भुउत्तयश्भिन्नूपवि
नाभितुवकेनमिउ भ्रूभितुरतुयक्ष्यटिश्लभिर्तुभूयकउ वभुभूत
नयिवाश्मक्तिवविमूउक्रमिउ मक्तिरभुभेभउः केवलाभु विभ
दयः ॥ केवलाः मक्तिउभाः उरुभ भुमाश्रवक भक्ति भारुभ
काभरु उरुयंविभ दयिरुभः मउः भित्तुतकेनमि सूक्ष्रवियथिउ
विनाश्रुककद्भ पिउभ्रुपेवरकामिउ भुउरुमक्तिः भूभितुति
नमउयेवमक्तिउपयामक्तिभागमूयभ्रुउः कद्भिरुवयिस्थउ उपि
मउं मउरुभूय भिहितुविनामक्ति भिहितुः मक्तिभिहितुविनाभ्रू
यभिहितु शिश्टेर्त्र मूयः यमर्नः उमभिहितुयमभितुनाभ्रुउउति
नमाशी भ्रियाभि कभिदभिमक्ति भरुभु विनाभ्रुतिनमङ्गम्बाभिभ
रुः म्भुनवद्व भभिविकल्पयउिभाद ॥ भ्रमयेमनवंभरु
वियुक्तकारुपिलः ॥ उदिउ ॥ भूमभुक्तभाविभूरुभ भलिन
वलिवनदि ॥ म्दवेम ॥ भलिनभलिनभूववृकालयतिक
भूकः निमलाम्वभलिनंम्बभल्लीकर्तुकभाः ॥ नतुभलिनाभरु
स्वंभवद्भम्भ्रुवम्भलिनः उवम्दवेम ॥ नभितुरुलवभरुः
केवलाःभाभेत्वरः ॥ येम्भुलवाभुवकेवलाम्बमुरुः मरुत्रु
कथभरुः कैवल्लीकरुः कथंवाम्भभाभ्रूयं भावयिपः उरुमय
मेधः उदिम्बरुम्बकेभिदउंठ विधूर्विरुद ॥ उपरुषा विनाभि
वं विकृत्तुभुभरुउः ॥ म्भुगभेश्वकाविरुद्ध किंभिद्भुविद्भूउनाभि

१० मो
ने दे
पी.
५१

S-1334

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA

DS0000111151

Record No.	Organization / Individual 11151

Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection			

Title of the Text Netratantra (ṭīkā) Other Title	Bundle No:……9………… Acc. No./Manuscript No..1521………
Author	No. of Folios…105 (104)…………Pages….210……………………
Commentary	Size of Mss. 24x17 Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator Kṣemarājā.	Missing portion No
Language Samskrit	Illustrations No Complete/Incomplete
Script Shāradā.	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words Tantra	Colour of Manuscripts Cream
Subject Tantra.	Remarks loose folios.

2581

03.02.06